बच्चों की समझ 21

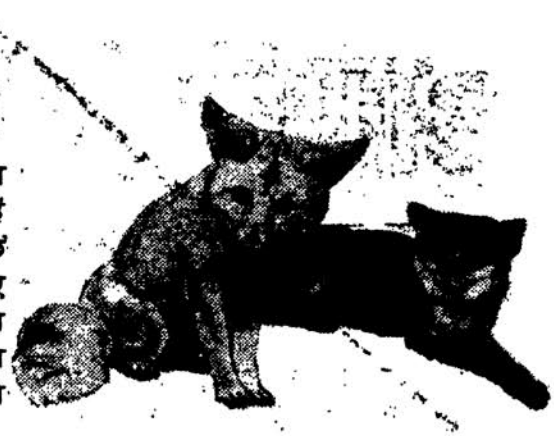

बच्चों को अपने आसपास की प्रकृति की कितनी समझ है। वो कितना कुछ ध्यान से देखते हैं, महसूस करते हैं और याद रख पाते हैं। इसी को लेकर ब्रिटेन के कुछ स्कूलों में आठ से दस साल तक के बच्चों के बीच किए गए सर्वे की रिपोर्ट। इस तरह की रिपोर्टों से जहां हम सर्वे करने के तरीकों और उसके महत्व को समझ सकते हैं वहीं पाठ्यक्रम की कमियों को भी सामने लाया जा सकता है।

सात अजूबे इस दुनिया के. 37

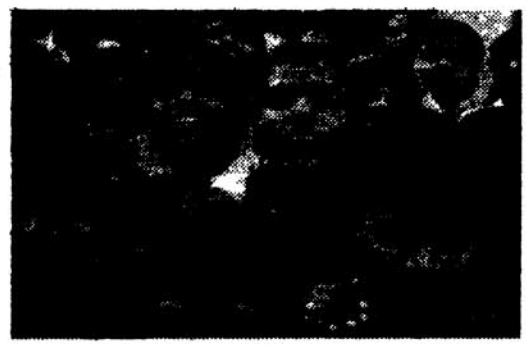

बेबीलोन के झूलते बगीचे, गीज़ा का पिरामिड, सिकंदरिया का प्रकाश स्तंभ..... वो दुनिया के सात आश्चर्य। अधिकतर तो मिट चुके हैं। लेकिन अब अगर फिर से सात आश्चर्यों की नई फेहरिस्त बनाई जाए तो कौन-कौन शामिल होगा इसमें?
जब ऐसी ही एक फेहरिस्त बनाने की बात एक वैज्ञानिक से की गई तो उसने लिस्ट में जिन्हें रखा उनमें से एक था इंसानी बच्चा। भला क्यों!

जब हैंडपंप बिगड़े तो. 75

हमारे देश में पीने के पानी की समस्या बहुत विकट है। इसी दिक्कत के निदान के लिए लगे हैं हैंडपंप। लेकिन आमतौर पर वे भी खराब पड़े रहते हैं। सरकारी मिस्त्रियों की बाट जोहते। लेकिन थोड़ी-सी जानकारी और कुछ औज़ारों की मदद से इन्हें ठीक करने की व्यवस्था गांव, मोहल्ले में ही की जा सकती है। इसी दिशा में काम कर रही है देवास ज़िले में एक संस्था 'समाज प्रगति सहयोग'। इसने आदिवासी इलाकों में महिलाओं को हैंडपंप सुधारने के काम में प्रशिक्षित किया है। हैंडपंप के सिद्धांत, क्रियाकलाप और सुधारने के तरीके पर यह रिपोर्ट।

इस अंक में

आपने लिखा.....	2	शिक्षक प्रशिक्षण और कहानी....	57
एक नए तरीके की पढ़ाई.....	7	बिजली और आवेश.....	69
खोद निकाला एक गांव.....	9	सवालीराम.....	70
बच्चों की समझ.....	21	ज़रा सिर तो खुजलाइए.....	74
परमाणु भार की गुत्थी.....	27	जब हैंडपंप बिगड़े तो.....	75
सात अजूबे इस दुनिया के.....	37	डाइनोसौर का अंडा.....	85
जो गौरीशंकर की समझ में न आए.	47	एक परजीवी – चंदन.....	96